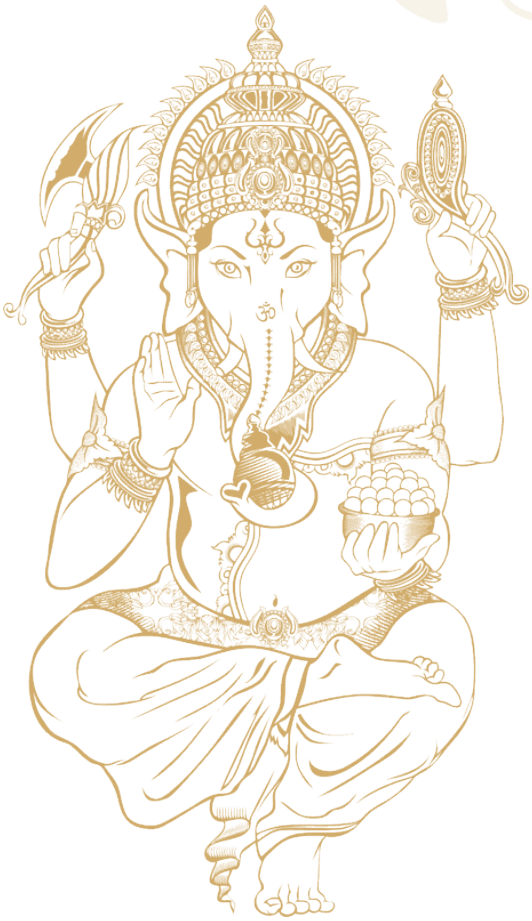

Mr.vikash Kumar

Ms.rani jaiswal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119533201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119533201 Date: 23/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/04/1995	जन्म तिथि	15/05/2004
बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 10:44:00	जन्म समय	11:30:00 घंटे
घटी 12:24:01	जन्म समय(घटी)	15:41:44 घटी
India	देश	India
Varanasi	स्थान	Daltonganj
25:20:00 उत्तर	अक्षांश	24:02:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व	रेखांश	84:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00	स्थानिक संस्कार	00:06:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:46:23	सूर्योदय	05:11:16
18:15:49	सूर्यास्त	18:29:14
23:47:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:53
मिथुन	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृष	राशि	मीन
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
रोहिणी	नक्षत्र	उ०भाद्रपद
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
3	चरण	4
आयुष्मान	योग	प्रीति
बालव	करण	कौलव
वी-वीरसिंह	जन्म नामाक्षर	ञ--
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	गौ
मनुष्य	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	सिंह

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 9मा 23दि		12:00:13	मिथु	लग्न	कर्क	27:37:06	शनि 0वर्ष 1मा 20दि	
गुरु		21:10:10	मीन	सूर्य	वृष	00:49:37	केतु	
27/01/2024		18:14:54	वृष	चंद्र	मीन	16:34:08	05/07/2021	
27/01/2040		20:08:31	कर्क	मंगल	मिथु	11:04:51	05/07/2028	
गुरु	16/03/2026	11:38:23	मीन	बुध	मेष	05:02:02	केतु	01/12/2021
शनि	27/09/2028	21:34:06	वृश्चि व	गुरु	सिंह	15:09:17	शुक्र	31/01/2023
बुध	03/01/2031	15:47:56	कुंभ	शुक्र	मिथु	02:05:05	सूर्य	08/06/2023
केतु	09/12/2031	24:50:16	कुंभ	शनि	मिथु	16:18:53	चन्द्र	07/01/2024
शुक्र	09/08/2034	11:52:46	तुला	राहु	मेष	17:20:19	मंगल	04/06/2024
सूर्य	29/05/2035	11:52:46	मेष	केतु	तुला	17:20:19	राहु	23/06/2025
चन्द्र	27/09/2036	06:18:13	मक	हर्ष	कुंभ	12:35:57	गुरु	30/05/2026
मंगल	03/09/2037	01:36:53	मक	नेप	मक	21:28:39	शनि	09/07/2027
राहु	27/01/2040	06:31:37	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	27:40:45	बुध	05/07/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:37 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:53

लग्न-चलित

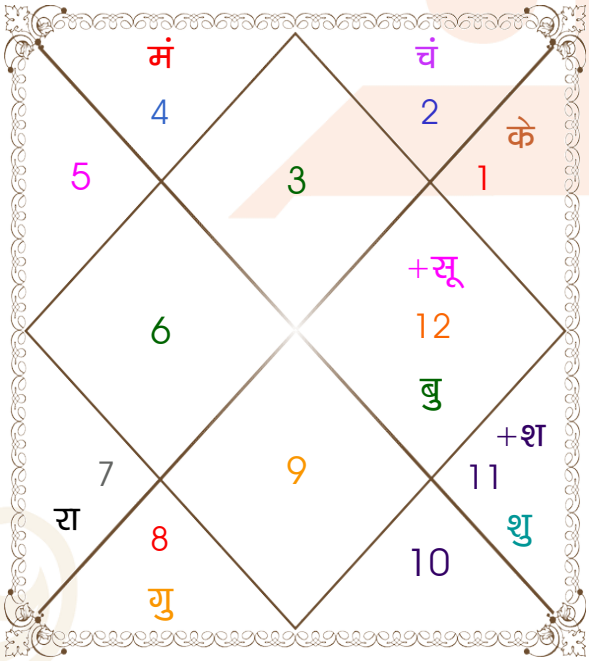

लग्न-चलित

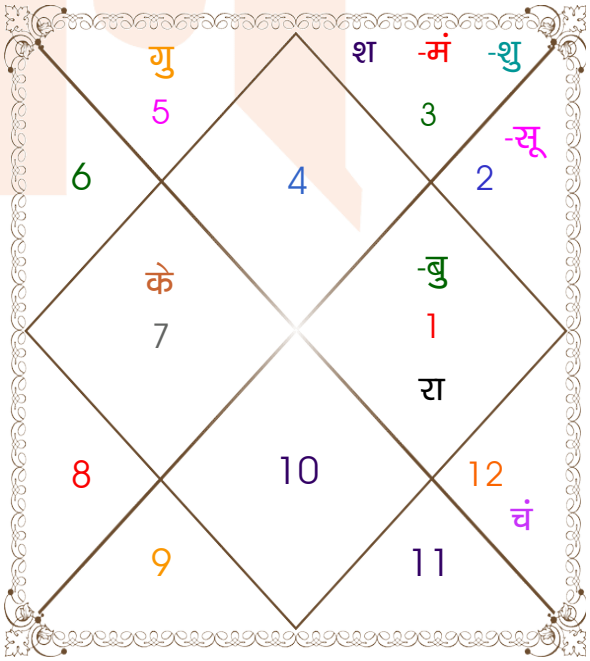

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

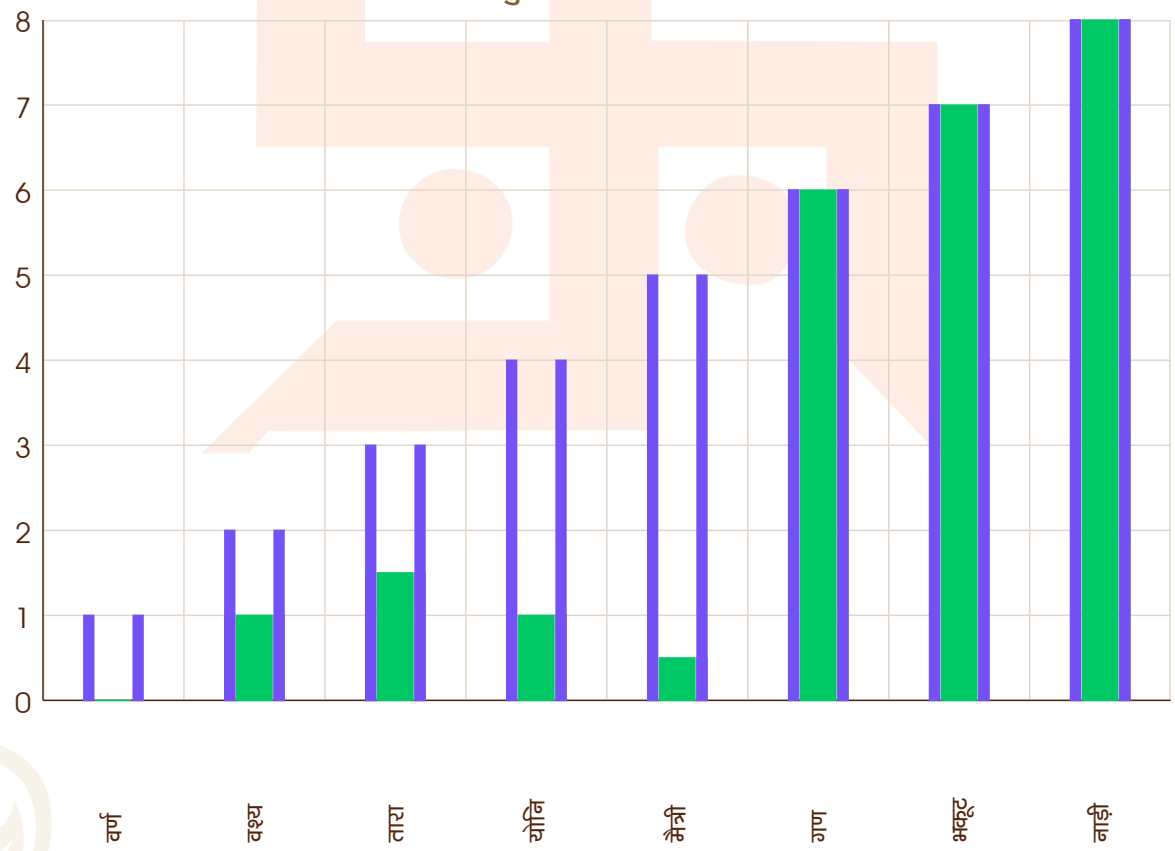

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट मिलान

डतण्अपोी ज्ञनउंत का वर्ग मृग है तथा Ms.rani jaiswal का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्अपोी ज्ञनउंत और Ms.rani jaiswal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्अपोी ज्ञनउंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms.rani jaiswal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.rani jaiswal कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण्अपोी ज्ञनउंत तथा Ms.rani jaiswal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्अपोी ज्ञनउंत का वर्ण वैश्य है तथा Ms.rani jaiswal का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.rani jaiswal का वर्ण डतण्अपोी ज्ञनउंत के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms.rani jaiswal अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Ms.rani jaiswal को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

डतण्अपोी ज्ञनउंत का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms.rani jaiswal का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। डतण्अपोी ज्ञनउंत एवं Ms.rani jaiswal दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में डतण्अपोी ज्ञनउंत एवं Ms.rani jaiswal दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

डतण्अपोी ज्ञनउंत की तारा साधक तथा Ms.rani jaiswal की तारा प्रत्यरि है। Ms.rani jaiswal की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह डतण्अपोी ज्ञनउंत एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Ms.rani jaiswal का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Ms.rani jaiswal के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। डतण्अपोी ज्ञनउंत अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

डतण्अपोी ज्ञनउंत की योनि सर्प है तथा Ms.rani jaiswal की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्अपोी ज्ञनउंत का राशि स्वामी Ms.rani jaiswal के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.rani jaiswal का राशि स्वामी डतण्अपोी ज्ञनउंत के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

डतण्अपोी ज्ञनउंत का गण मनुष्य तथा Ms.rani jaiswal का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

डतण्अपोी ज्ञनउंत से Ms.rani jaiswal की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Ms.rani jaiswal से डतण्अपोी ज्ञनउंत की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण्अपोी ज्ञनउंत परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Ms.rani jaiswal हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

डतण्अपोी ज्ञनउंत की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.rani jaiswal की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं

कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्अपोी ज्ञनउंत की जन्मराशि भूमितत्व युक्त वृष तथा Ms.rani jaiswal की राशि जलतत्व युक्त मीन है। भूमितत्व तथा जलतत्व में नैसर्गिक मित्रता तथा समता का भाव रहता है। अतः डतण्अपोी ज्ञनउंत और Ms.rani jaiswal में समानता के कारण दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा परस्पर संबंधों मे मधुरता रहेगी।

डतण्अपोी ज्ञनउंत तथा Ms.rani jaiswal की राशि के स्वामी परस्पर शत्रु एवं समराशि में पड़ते हैं। अतः इसके प्रभाव से विचारों में मतभेद के कारण यदा कदा आपसी मन मुटाव की स्थिति उत्पन होगी साथ ही डतण्अपोी ज्ञनउंत का व्यवहार Ms.rani jaiswal के साथ विशेष अच्छा नही रहेगा एवं उनकी भावनाओं का आदर भी कम ही करेंगे जिससे परस्पर विवाद उत्पन्न होंगे। अतः यदि आपसी सामंजस्य से काम किया जाय तो इनमें किंचित शुभता हो सकती है।

डतण्अपोी ज्ञनउंत और Ms.rani jaiswal की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दोषों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह सहानुभूति एवं सहअस्तित्व के भाव में वृद्धि होगी। वे एक दूसरे के साथ सामंजस्य पूर्वक व्यवहार करके दाम्पत्य जीवन में सुख शांति एवं समृद्धि की वृद्धि करने में समर्थ होंगे।

डतण्अपोी ज्ञनउंत का वश्य चतुष्पद एवं Ms.rani jaiswal का वश्य जलचर है। चतुष्पद तथा जलचर की परस्पर मित्रता एवं समानता रहती है। अतः डतण्अपोी ज्ञनउंत और Ms.rani jaiswal की अभिरूचियां तथा आवश्यकताओं में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर शुभ मिलान होगा। साथ ही कामसंबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता विद्यमान रहेगी।

डतण्अपोी ज्ञनउंत का वर्ण वैश्य है। अतः धनार्जन के प्रति अधिक आकृष्ट रहेंगे तथा व्यावहारिक दृष्टि से कार्यो को करेगें। Ms.rani jaiswal का वर्ण ब्राहमण होने के कारण शैक्षणिक तथा शास्त्रीय कार्यो में अभिरूचि रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को सम्मपन करने में भी प्रवृत रहेंगी।

धन

डतण्अपोी ज्ञनउंत और Ms.rani jaiswal दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। इनकी राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ता एवं सम्पन्नता में वृद्धि के लिए यह भकूट शुभ माना जाता है। लेकिन यदा कदा Ms.rani jaiswal की आर्थिक स्थिति मंगल का दुष्प्रभाव भी परिलक्षित होगा जिससे वे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति करेंगी परन्तु स्वपरिश्रम एवं योग्यता से वे

इसमें अनुकूलता लाने में समर्थ होंगी।

डतण्अपोंी ज्ञनउंत आर्थिक स्थिति सुदृढ़ता प्रदान करने के लिए सौभाग्यशाली रहेंगे तथा जीवन में धनऐश्वर्य एवं वैभव की उनके पास कमी नहीं रहेगी। साथ ही Ms.rani jaiswal की व्ययशील प्रवृति का भी उनकी आर्थिक समानता पर भी कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा आनंद पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण्अपोंी ज्ञनउंत की नाड़ी अन्त्य तथा Ms.rani jaiswal की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई प्रभाव नहीं होगा तथा स्वास्थ्य इस ओर से सामान्य रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से डतण्अपोंी ज्ञनउंत का स्वास्थ्य प्रभावित होगा एवं समय समय पर वे हृदय रोग संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे। साथ ही पित या रक्त संबंधी कष्ट की भी अनुभूति होगी। धातु संबंधी रोगों का भी डतण्अपोंी ज्ञनउंत पर प्रभाव रहेगा एवं संभोग क्रिया में भी उन्हें शिथिलता का आभास होगा जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न हो सकती है। अतः उपरोक्त दोषों में न्यूनता लाने के लिए डतण्अपोंी ज्ञनउंत को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए। इसके अतिरिक्त मूंगा धारण करना भी डतण्अपोंी ज्ञनउंत के लिए श्रेयस्कर रहेगा।

संतान

संतति की दृष्टि से डतण्अपोंी ज्ञनउंत और Ms.rani jaiswal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से डतण्अपोंी ज्ञनउंत और Ms.rani jaiswal को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त डतण्अपोंी ज्ञनउंत और Ms.rani jaiswal के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms.rani jaiswal का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms.rani jaiswal के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms.rani jaiswal सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा डतण्अपोंी ज्ञनउंत और Ms.rani jaiswal को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार डतण्अपोंी ज्ञनउंत और Ms.rani jaiswal का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms.rani jaiswal के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms.rani jaiswal अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms.rani jaiswal पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms.rani jaiswal अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

डतण्अपोी ज्ञनउंत के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही डतण्अपोी ज्ञनउंत उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण डतण्अपोी ज्ञनउंत के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।